321
12/9/12

खण्ड - 9

सत्यमेव जयते

संख्या - 11

नवम् बिहार विधान-सभा वादवृत्त

नवम् सत्र

(भाग-1, कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

शुक्रवार, तिथि : 8 जुलाई, 1988 ई०

---

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उक्त नालों को बन्द रखने का क्या औचित्य है तथा सरकार जल निकासी हेतु कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी राज्य मंत्री, सिंचाई विभाग : (1) क्षेत्रीय पदाधिकारियों द्वारा मई, 1987 में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पिपरा नाला बन्द है।

(2) यह सही कि वर्ष में लगभग आठ माह तक इन गांवों में जल जमाव रहता है।

(3) यह कार्य स्वीकृत बागमती परियोजना के अन्तर्गत नहीं है। इन नाला की खुदाई तथा बागमती नदी के साथ इसके मिलन बिन्दु पर एक एन्टीफ्लड स्लूईस के निर्माण का प्राक्कलन जिसकी प्राक्कलित राशि 1,11,483 रुपया है तकनीकी स्वीकृति देकर प्रशासनिक स्वीकृति तथा निधि उपलब्ध कराने हेतु दिनांक 11 जून, 1987 को समहर्त्ता, मुजफ्फरपुर को समर्पित किया गया है। प्रशासनिक स्वीकृति तथा निधि के आवंटन समाहर्त्ता मुजफ्फरपुर से प्राप्त होने पर कार्रवाई की जायेगी।

चिकित्सकों को पदस्थापन

द-31. : **श्री हिन्द केसरी यादव**, क्या मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर-मीनापुर प्रखंड के घोसौत अस्पताल में चिकित्सक के लिए आवास की सुविधा उपलब्ध है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अस्पताल में चिकित्सक नहीं रहते हैं;

(3) क्या यह बात सही है कि इलाका बिल्कुल पिछड़ा है जहां लेप्रोसी एवं अन्य रोगों का प्रकोप है;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल में चिकित्सक के पदस्थापन करने का कबतक विचार रखती है, और नहीं तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवर कल्याण विभाग : (1) उत्तर स्वीकारात्मक है। मीनापुर प्रखंड, घोसौत में राजकीय अस्पताल नहीं है बल्कि प्राथमिक स्वास्थ्य उप-केन्द्र है। वहां के दरवाजा क्षतिग्रस्त है। अतएव किसी व्यक्ति का रहना असुरक्षित है।

(2) उत्तर अंशत: नकारात्मक है। उक्त स्वास्थ्य उप-केन्द्र में प्रतिनियुक्त चिकित्सा पदाधिकारी दिनांक 9 सितम्बर, 1985 से 16 अक्तूबर, 1985 तक बहुद्देशीय प्रशिक्षण में, दिनांक 10 मार्च, 1986 से दिनांक 7 मई, 1986 तक चिकित्सकों के सामूहिक हड़ताल में, दिनांक 21 जुलाई, 1986 से 26 जुलाई, 1986 तक श्रीकृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर की हड़ताल में प्रतिनियुक्त थे तथा 20 अगस्त 1986 से कोषागार प्रशिक्षण में रहने के कारण उपलब्ध नहीं रहे।

(3) प्रासंगिक क्षेत्र पिछड़ा है परन्तु कुष्ठ या संक्रामक रोगों की महामारी नहीं है।

(4) स्वास्थ्य उप-केन्द्र, घोसौत में चिकित्सक पदाधिकारी प्रतिनियुक्त हैं तथा कार्य सम्पादित कर रहे हैं। चूंकि स्वास्थ्य उपकेन्द्र हेतु चिकित्सा पदाधिकारी का पद सृजित नहीं है अत: वहां चिकित्सक के पदस्थापन का प्रश्न ही नहीं उठता है।